प्रेस नोट

श्री परषोत्तम रुपाला, माननीय मत्स्य, पशुपालन और दुग्ध विकास मंत्री भारत सरकार के मुख्य आतिथ्य एवं श्रीमती रेखा आर्या मा० पशुपालन एवं दुग्ध विकास मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार के विशिष्ट आतिथ्य दिनांक 04.01.2022 को राजकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र कालसी, जनपद देहरादून अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा **'राष्ट्रीय गोकुल मिशन परियोजना'** अन्तर्गत **वित्तपोषित कुल लागत रु०19.63 करोड**, से स्थापित निम्न कार्ययोजनाओं का लोकार्पण किया गया :–

1. गौवंश हेतु भ्रूण प्रत्यारोपण तकनीकी प्रयोगशाला (IVF Lab on Bovines) का लोकार्पण
2. जैव भ्रूण प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण छात्रावास (ETT Training Center) का लोकार्पण
3. सचल भ्रूण प्रत्यारोपण प्रयोगशाला वाहन (Mobile IVF Lab) का लोकार्पण

इस अवसर पर **'Rural Infrastructure Development Fund (RIDF) नाबार्ड'** द्वारा **वित्तपोषित कुल लागत रु० 4.92 करोड**, से निम्न कार्ययोजनाओं का शिलान्यास किया गया :–

1. स्वचालित मिल्क पार्लर (Automated Tandem Milk Parlor)
2. 50 वत्स क्षमतायुक्त शिशु गोवंश बाडा
3. 3,000 कुन्टल क्षमतायुक्त भूसा गोदाम
4. पशुओ के लिए पीने के पानी की व्यवस्था हेतु 1 लाख लीटर क्षमतायुक्त पेयजल टैंक एवं 1.5 किलोमीटर लम्बी पेयजल पाईपलाईन का विकास
5. कृषक प्रशिक्षण केन्द्र का सुदृढीकरण

इस अवसर पर डा० आर० मीनाक्षीसुन्दरम भा०प्र०से०, सचिव पशुपालन, उत्तराखण्ड शासन द्वारा अवगत कराया गया कि, गत 80 वर्षों से राजकीय पशुधन प्रक्षेत्र कालसी द्वारा **'Red Sindhi नस्ल के गोवंश'** के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु निरन्तर प्रशंसनीय योगदान किया जा रहा है। वर्तमान समय में देश में **Purebred Red Sindhi Breeding Stock** के रुप में, राजकीय पशुधन प्रक्षेत्र कालसी के **'Red Sindhi नस्ल के गोवंश'** को अग्रणी स्थान प्राप्त है। **'गिर एवं साहीवाल नस्ल के गोवंश'** के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अभिनव प्रयास किये जा रहे हैं। राजकीय पशुधन प्रक्षेत्र कालसी द्वारा भ्रूण प्रत्यारोपण तकनीक (**Embryo Transfer Technique**) में उल्लेखनीय योगदान करते हुए देशभर के पशुचिकित्सा विशेषज्ञों हेतु **State of Art Training Center** के रुप में सेवाऐं दी जा रही हैं। उत्तराखण्ड राज्य द्वारा देश में पहली बार, विदेशी तकनीक आयात कर लिंगवर्गीकृत कृत्रिम गर्भाधान स्ट्रॉ (**SSST : Sex Sorted Semen straws Technique**) तैयार किये जाने हेतु प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। **SSST** तकनीक से कृत्रिम गर्भाधान कर **93%** प्रकरणों में मादा शिशुओं को पैदा किया जा पाना सम्भव हो सका है। इस तकनीक से भविष्य में दुधारु पशुओं से अधिकाधिक उत्पादकता सुनिश्चित करते हुए, नर गोवंशीय पशुओं के परित्याग पर प्रभावी अंकुश लगाया जाना सम्भव हो सकेगा।

कार्यक्रम में मा० पशुपालन मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार श्रीमती रेखा आर्य द्वारा केन्द्रीय स्तर पर पृथक से पशुपालन, दुग्ध विकास एवं मत्स्य विकास मंत्रालय का गठन किये जाने हेतु मा० प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी का हार्दिक आभार प्रकट किया गया। मा० पशुपालन, दुग्ध विकास एवं मत्स्य विकास मंत्रालय भारत सरकार के मार्गदर्शन में इस क्षेत्र में भी एतिहासिक प्रगति हेतु संकल्प प्रकट किया गया। पशुचिकित्सालयों के आधुनिकीकरण, चारा विकास, अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन प्रयोगशाला के उन्नयन, कुक्कुट सैक्टर के विकास, भेड एवं बकरीपालन सैक्टर के विकास तथा रोग

निदान प्रयोगशालाओं उन्नयन हेतु प्रस्तावित **रु० 500 करोड**, से अधिक की कार्ययोजनाओं की भारत सरकार स्तर से स्वीकृति की मांग की गयी।

कार्यक्रम में मा० मत्स्य, पशुपालन और दुग्ध विकास मंत्री भारत सरकार श्री परषोत्तम रुपालाजी द्वारा अवगत कराया गया कि, मा० प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी द्वारा देशभर में पशुओं हेतु भी मोबाइल क्लीनिक के माध्यमत से पशुपालक के द्वार पर पशुचिकित्सा सेवायें दिये जाने हेतु अभिनव योजना स्वीकृत की गयी है। इस क्रम में उत्तराखण्ड राज्य हेतु भी 60 मोबाइल क्लीनिक स्वीकृत कर बजट आबंटन किया जा चुका है। भारत सरकार द्वारा, खेतिहर कृषकों की भांति पशुपालकों एवं मत्स्यपालकों हेतु भी **0%** ब्याज पर पशुपालक किसान क्रेडिट कार्ड दिये जाने का निर्णय लिया गया है। मा० प्रधानमंत्रीजी की दूरदृष्टि में, दुग्ध, अण्डा एवं मछली पालन के क्षेत्र में सर्वांगीण विकास कर कृषक की आय में बृद्धि हेतु भारत सरकार सदैव हर प्रकार से सहयोग एवं सहायता हेतु कृतसंकल्प एवं समर्पित है।

कार्यक्रम के अन्त में निदेशक पशुपालन द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में डा० आर० मीनाक्षीसुन्दरम भा०प्र०से०, सचिव पशुपालन, उत्तराखण्ड शासन, डा० एम०एस० चौहान निदेशक, एन०डी०आर०आई० करनाल, डा० भूषण त्यागी, संयुक्त आयुक्त (राष्ट्रीय गोकुल मिशन) पशुपालन मंत्रालय, भारत सरकार, डा० प्रेम कुमार, निदेशक पशुपालन विभाग/मुख्य अधिशासी अधिकारी, उत्तराखण्ड पशुधन विकास परिषद, डा० एस० एस० बिष्ट, सेवानिवृत निदेशक पशुपालन विभाग डा० के०के० जोशी, सेवानिवृत निदेशक पशुपालन विभाग, डा० कमल सिंह, सेवानिवृत मुख्य अधिशासी अधिकारी, उत्तराखण्ड पशुधन विकास परिषद, डा० अशोक कुमार, अपर निदेशक गढ़वाल मण्डल, पौडी गढ़वाल, डा० लोकेश कुमार, परियोजना निदेशक राजकीय पशुधन प्रक्षेत्र कालसी, डा० नीरज सिंघल, संयुक्त निदेशक प्रशासन, पशुपालन निदेशालय, उत्तराखण्ड, डा० डी०के० शर्मा, संयुक्त निदेशक, पशुपालन निदेशालय, डा० अविनाश आनन्द मुख्य अधिशासी अधिकारी, उत्तराखण्ड भेड़ एवं ऊन विकास, परिषद, डा० सुनील बिन्जोला, संयुक्त निदेशक, पशुपालन निदेशालय, डा० आशुतोष जोशी, प्रभारी अधिकारी/संयुक्त निदेशक, उत्तराखण्ड पशुकल्याण बोर्ड, डा० आर एस नेगी, रजिस्ट्रार उत्तराखण्ड पशुचिकित्सा परिषद, डा० विद्यासागर कापडी, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी, जनपद देहरादून, डा० एस० के० सिंह, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी, जनपद पौडी गढवाल, डा० योगेश भारद्वाज, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी हरिद्वार, डा० असीम देब, संयुक्त निदेशक यू०एल०डी०बी०, **डा० अजयपाल सिंह असवाल, विशेषज्ञ भ्रूण प्रत्यारोपण तकनीक,** डा० कैलाश उनियाल, अध्यक्ष, उत्तराखण्ड राज्य पशुचिकित्सा सेवा संघ, डा० अजय असवाल, डा० अनोज कुमार डिमरी, डा० सतीश जोशी, डा० विवेकाकानन्द सती, डा० विशाल शर्मा, डा० पुनीत भट्ट, डा० अशोक बिष्ट, डा० दिनेश चन्द्र सेमवाल, डा० अनूप नौटियाल, डा० अमित देवराडी, डा० चेतना धपोला, डा० उर्वशी प्रकाश, डा० ब्रिजेश रावत, डा० साजिद, डा० शाहजहॉ, डा० मृदुला तिवारी, डा० बीना बिष्ट एवं अन्य विभागीय अधिकारियों एवं सहयोगी कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन डा० कैलाश उनियाल द्वारा किया गया।

परियोजना निदेशक
पशु प्रजनन प्रक्षेत्र
कालसी देहरादून